



বিদ্যাসাগর বিশ্ববিদ্যালয়
VIDYASAGAR UNIVERSITY

Question Paper

B.A. General Examinations 2022

(Under CBCS Pattern)

Semester - VI

Subject : SANSKRIT

Paper : SEC 4-T

Indian Theatre

Full Marks : 40

Time : 2 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

Group - A

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु चतुर्णाम् प्रश्नानाम् उत्तरं प्रदेयम् :

5×4=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোন চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও :

1. भरतमुनिना नाट्यशास्त्रे कति रसाः स्वीकृताः ? तेषां रसानां नाम वर्णाः देवताश्च उल्लिखन्ताम्।

ভরতমুনি নাট্যশাস্ত্রে কয়টি রস স্বীকার করেছেন। রসসমূহের নাম, বর্ণ ও দেবতা উল্লেখ কর।

2. संस्कृतनाट्यसाहित्ये वैदिकसाहित्यस्यावदानं आलोचनीयम्।

সংস্কৃতনাট্যসাহিত্যে বৈদিকসাহিত্যের অবদান আলোচনা কর।

3. संस्कृतनाट्यशास्त्रानुसारेण नाट्यवस्तुविषयकः एकः लघु प्रबन्धः लेख्यः।

সংস্কৃতনাট্যশাস্ত্রানুসারে নাট্যবস্তুবিষয়ক একটি প্রবন্ধ লেখ।

4. संस्कृतनाट्यशास्त्रानुसारेण वाचिकम् आहार्यं च आप्प्रित्य आलोच्यन्ताम्।
संस्कृतनाट्यशास्त्रानुसारे वाचिके ओ आहार्ये विषये आलोचना कर।
5. गणनाट्यं किम्? वङ्गगणनाट्यमाप्प्रित्य एकः लघु प्रबन्धः लेख्यः।
गणनाट्ये की? बाङ्गला गणनाट्यविषये संक्षिप्तु एकटि प्रबन्ध लेख।
6. वैयासिके महाभारते प्राप्तानि संस्कृतनाट्यसाहित्यविषयकाणि तत्त्वानि उल्लिख्यन्ताम्।
वैयासिक महाभारते प्राप्तु संस्कृतनाट्यसाहित्ये सम्पर्किते तथ्युगुलि उल्लेख कर।

Group - B

अधोलिखितेषु प्रश्नेषु द्वयोः प्रश्नयोः उत्तरं प्रदेयम् : 10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नगुलिने मध्ये येकोन दुटि प्रश्नेर उतुत्र दाओ :

1. भारतवर्षस्य जातीयनाट्यसंस्थायाः स्थापना कदा कुत्र अभवत् अस्याः संस्थायाः विकासमाप्प्रित्य एकः प्रबन्धः लेख्यः।
भारतेर जातीय नाट्यसंस्थार (Indian National Theatre) प्रतिष्ठा कवे ओ कोथाय ह्येखिल। प्रतिष्ठानटिने ढ्रमविकाश सम्पर्के एकटि प्रबन्ध लेख।
2. अर्वाचीनभारतीयनाट्यसाहित्यम् संक्षेपेण आलोचनीयम्।
आधुनिक भारतीय नाट्ये विषये संक्षेपे आलोचना कर।
3. संस्कृतनाट्यसाहित्ये ग्रीकसाहित्यस्यावदानम् आलोचनीयम्।
संस्कृतनाट्यसाहित्ये ग्रीकसाहित्ये प्रभाव आलोचना कर।
4. आचार्येण भरतेन प्रणीतं रससूत्रमुल्लेखपुरःसरं व्याख्यायताम्।
आचार्ये भरते प्रणीते रससूत्रे उल्लेखपूर्वक व्याख्या कर।